an>

Title: Shri Manoj Rajoria made a submission regarding problem being faced by onion growers of Rajasthan, Maharashtra and Madhya Pradesh despite a bumper crop.

**डॉ. मनोज राजोरिया (करौली-धौलपुर):** अध्यक्ष महोदया, मैं आपको धन्यवाद देता हूं कि आपने मुझे एक बहुत महत्वपूर्ण विÂषय पर बोलने का अवसर दिया। जैसा कि कल इसी सदन में स्वामी सुमेदानंद जी, माननीय सदस्य ने एक बहुत महत्वपूर्ण मांग उठाई थी कि राजस्थान, महाराष्Âट्र, मध्य प्रदेश सहित देश के अन्य राज्यों में किसानों की जो प्याज की बंपर पैदावार हुई है, किसान बहुत मेहनत से, लगन से फसल पैदा करता है। जब वह इसे पैदा करता है और उसका उचित मूल्य नहीं होता है तो उसे बड़ी पीड़ा होती है। इसी मांग को कल स्वामी सुमेदानंद जी ने उठाया था। माननीय कृÂिÂिष मंत्री जी ने कहा था कि यह विष्Âाय खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री के पास है। आज यह हमारे लिए सौभाग्य का विष्Âाय है कि आज माननीय मंत्री श्री राम विलास पासवान जी सदन में हम सबके बीच में हैं। यह किसानों का विÂषय है, उनके उत्पादन मूल्य का विÂषय है। स्वामी जी ने आग्रह किया था कि किसानों को दो-तीन रुपए प्रति किलो के भाव पर इसे बेचने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

क्या भारत की सरकार, माननीय मंत्री जी ने किसानों के प्याज का उचित मूल्य दिलाने के लिए, सरकारी खरीद, एफ.सी.आई. के माध्यम से कुछ व्यवस्था की है, या इस विष्Âाय पर कल और आज के बीच में कुछ कार्य हुए हैं तो मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से अपील करूंगा कि वह सदन में अपनी बात रखें और किसानों के हित में कुछ कार्य किए हों तो हम सब को जानकारी दें।

**माननीय अध्यक्ष :** श्री भैरों प्रसाद मिश्र, श्री पी.पी.चौधरी, श्री चन्द्र प्रकाश जोशी, कुँवर पुÂष्पेन्द्र सिंह चन्देल, श्री शरद त्रिपाठी, श्री सी.आर.चौधरी, श्री रामचरण बोहरा, श्री राहुल कस्वां और श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत को डॉ. मनोज राजोरिया द्वारा उठाए गए विÂषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

मंत्री जी, अगर आप कुछ कहना चाहते हैं तो आपको बोलने की अनुमति है।

**उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री (श्री राम विलास पासवान) :** कल इस मुद्दे को सदन में उठाया गया था। हम से स्वामी जी और कुछ लोग मिले थे, उनको मालूम है कि पिछले साल प्याज का उत्पाद 189 लाख टन था, वह इस बार बढ़ कर 203 लाख टन हो गया है। कभी प्याज के दाम इतने बढ़ जाते हैं कि आंख से आंसू निकलने शुरू हो जाते हैं।...(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** दोनों तरफ से आंसू निकलते हैं।

**श्री राम विलास पासवान :** कभी प्याज के दाम इतने घट जाते हैं कि किसानों के आंख से आंसू निकलने शुरू हो जाते हैं। इस बार प्याज इतना सस्ता हो गया है कि प्याज दो-तीन रूपये किलोग्राम है। इसलिए हम ने निर्णय लिया है, सरकार ने निर्णय लिया है कि हम प्याज की भी खरीद करेंगे। अभी हमने 15,000 टन प्याज खरीद का निर्णय लिया है। यह नासिक में शुरू हो गया है क्योंकि वहां इंफ्रास्ट्रक्चर है। ...(व्यवधान) अगर वहां नहीं हुआ है तो हो जाएगा।...(व्यवधान)

**श्री हरिश्चन्द्र चव्हाण (दिंडोरी) :** वहां बहुत कम खरीद हुआ है। ...(व्यवधान)

**श्री राम विलास पासवान :** नासिक में इंफ्रास्ट्रक्चर है। एफ.सी.आई. का जो स्टोरेज है, वह प्याज-आलू के लिए सुटेबल नहीं है। उनके लिए हमें अलग से व्यवस्था करने की आवश्यकता है। भारत सरकार के पास भी प्राइस स्टैबलिटी फंड है उसके तहत 900 करोड़ रुपये है। राज्य सरकार भी प्याज खरीदे तो हम राज्य सरकार को भी 50 प्रतिशत राशि देने के लिए तैयार हैं। हम ने अपनी टीम राजस्थान, सभी जगह भेज दिये हैं। जहां हमारा इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं है, हम माननीय सदस्य से आग्रह करेंगे कि यदि कोई प्राइवेट वाले भी हमें स्टोरेज दे दें तो हम उसे पैसा देंगे, उसमें व्यवस्था करेंगे। हमारे पास वहां थोड़ी इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी है लेकिन हम ने अपनी टीम को सभी राज्यों में, जहां-जहां से इस तरह की शिकायतें हैं, सभी जगह भेज दिया है और सरकार ने प्याज खरीदने का निर्णय ले लिया है।